

UGC NET PAPER 2 JANUARY 22, 2017 SHIFT 1 PRAKRIT QUESTION PAPER

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. Mahakavi Vāk patirāja has given this statement in his Gaudavaho
 - (1) Prakrit is originated from Sanskrit
 - (2) Prakrit was the language of only Sanskrit Dramas
 - (3) All languages are originated from the Prakrit
 - (4) Prakrit was language of only Tīrthaṅkaras

2. 'Śauraseni' Prakrit is treated the language of this region
 - (1) Gujarat Janapada
 - (2) Bundelakhanda
 - (3) Mathura Janapada
 - (4) Magadh Janapada

3. The inscriptional Prakrit is considered as
 - (1) Third phase – Prakrit
 - (2) Vedic age – Prakrit
 - (3) Second phase – Prakrit
 - (4) First Phase – Prakrit

4. The name of 23rd chapter of Uṭṭarādhyayana is
 - (1) Gauṭama – Mahāvīra
 - (2) Keśī – Gauṭamiya
 - (3) Pradeśī – Keśī
 - (4) Nami – Devendra

5. Pravaçanasāra was composed in this century
 - (1) First A.D.
 - (2) Fourth A.D.
 - (3) Fifth A.D.
 - (4) Sixth A.D.

6. The Prakrit form of the word Prākṛtam is
 - (1) Pāiam
 - (2) Pakiyam
 - (3) Pagayam
 - (4) Pāhūam

7. In Prakrit Sandhi is not permitted with this pair
 - (1) a + i
 - (2) ā + i
 - (3) i + u
 - (4) i + ī

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते पण्णासा (50) बहु विकल्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं दुवे (2) अंकस्स अत्थि । सव्वाणि पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. महाकवि वाक्पतिराजने अपने गडडवहो में यह कथन दिया है –
 - (1) प्राकृत संस्कृत से उत्पन्न हुयी है ।
 - (2) प्राकृत एकमात्र संस्कृत नाटकों की भाषा थी ।
 - (3) सभी भाषाएँ प्राकृत से उत्पन्न हुई हैं ।
 - (4) प्राकृत एकमात्र तीर्थङ्करों की भाषा थी ।
2. 'शौरसेनी' प्राकृत इस क्षेत्र की भाषा बतलायी गयी है

(1) गुजरातजनपद	(2) बुन्देलखण्ड
(3) मथुराजनपद	(4) मगधजनपद
3. अभिलेखीय-प्राकृत ऐसी मानी जाती है

(1) तृतीययुगीन-प्राकृत	(2) वैदिकयुगीन-प्राकृत
(3) द्वितीययुगीन-प्राकृत	(4) प्रथमयुगीन-प्राकृत
4. उत्तराध्ययन के तेइसवें अध्ययन का नाम है

(1) गौतम – महावीर	(2) केशी – गौतमीय
(3) प्रदेशी – केशी	(4) नमि – देवेन्द्र
5. प्रवचनसार की रचना इस शताब्दी में की गई है :

(1) प्रथम ईस्वी	(2) चतुर्थ ईस्वी
(3) पंचम ईस्वी	(4) षष्ठ ईस्वी
6. प्राकृत में 'प्राकृतम्' शब्द का यह रूप होता है

(1) पाइअं	(2) पकियं
(3) पगयं	(4) पाहूअं
7. प्राकृत में इस युग्म की संधि स्वीकृत नहीं है :

(1) अ + इ	(2) आ + इ
(3) इ + उ	(4) इ + ई

8. Genitive plural of the word jina becomes
- (1) Jinaṣṣa (2) Jinaḥimto
(3) Jinaṇa (4) Jinehi
9. This vowel does not occur in Prakrit
- (1) au (2) ū
(3) e (4) ī
10. This is an example of regressive Assimilation
- (1) Laddho < Labdhaḥ (2) Sukkaṃ < Śuklam
(3) Takkaṃ < Takram (4) Paḍhamam < Prathamam
11. The subject matter of the Tiloyapaṇṇatti is
- (1) Description of three Lokās (2) Story of three births of Mahavira
(3) Story of three traders (4) Narratives of three Tirthankaras
12. The main subject matter of Mulācāra text is
- (1) Code of conduct of Śramaṇās (2) Jñānamīmāṃsā
(3) Karmasiddhānta (4) Description of Triloka
13. The number of mūlasūtras of Ardhamāgadhī āgamasāhitya is
- (1) Four (2) Fourteen
(3) Six (4) Twelve
14. Read the Unit – I and Unit – II for correct match :
- | Unit – I | Unit – II |
|------------------|-------------------------|
| (a) Aṅga Āgamas | (i) Sukhabodhā |
| (b) Mūlasūtra | (ii) Daśavaikālika |
| (c) Upaṅga-Āgama | (iii) Jñātādharma-kathā |
| (d) Tīkā | (iv) Aupapātika |
- Choose the correct answer :
- (1) (a) + (iii) (2) (b) + (i)
(3) (c) + (ii) (4) (d) + (iv)
15. The writer of Tiloyapaṇṇatti is
- (1) Kunda-Kunda (2) Guṇadhara
(3) Puṣpadanta (4) Yativiṣabha

8. 'जिण' शब्द का पष्ठी बहुवचन रूप यह है

- | | |
|------------|---------------|
| (1) जिणस्स | (2) जिणाहिंतो |
| (3) जिणाण | (4) जिणोहि |

9. यह स्वर प्राकृत में नहीं होता

- | | |
|-------|-------|
| (1) औ | (2) ऊ |
| (3) ए | (4) ई |

10. यह परागत समीकरण का उदाहरण है

- | | |
|--------------------|----------------------|
| (1) लद्धो < लब्धः | (2) सुक्कं < शुक्लम् |
| (3) तक्कं < तक्रम् | (4) पदमं < प्रथमम् |

11. तिलोयपण्णत्ति का यह विषय है

- | | |
|----------------------------|---------------------------------|
| (1) तीन लोकों का वर्णन | (2) महावीर के तीन जन्मों की कथा |
| (3) तीन व्यापारियों की कथा | (4) तीन तीर्थङ्करों का वर्णन |

12. मूलाचार ग्रन्थ की प्रमुख विषयवस्तु है

- | | |
|----------------------|-------------------|
| (1) श्रमणों की चर्या | (2) ज्ञानमीमांसा |
| (3) कर्मसिद्धान्त | (4) त्रिलोक-वर्णन |

13. अर्धमाग्धी आगम साहित्य के मूलसूत्रों की संख्या है

- | | |
|---------|----------|
| (1) चार | (2) चौदह |
| (3) छह | (4) बारह |

14. प्रथम एवं द्वितीय तालिकाओं को सही मिलान हेतु पढ़ें :

तालिका - I	तालिका - II
(a) अंगआगम	(i) सुखबोधा
(b) मूलसूत्र	(ii) दशवैकालिक
(c) उपांग-आगम	(iii) ज्ञाताधर्मकथा
(d) टीका	(iv) औपपातिक

सही उत्तर चुनिये :

- | | |
|-----------------|----------------|
| (1) (a) + (iii) | (2) (b) + (i) |
| (3) (c) + (ii) | (4) (d) + (iv) |

15. तिलोयपण्णत्ति के लेखक हैं -

- | | |
|----------------|-------------|
| (1) कुन्दकुन्द | (2) गुणधर |
| (3) पुष्पदन्त | (4) यतिवृषभ |

16. Read carefully the Unit – I and Unit – II for correct match :

Unit – I	Unit – II
(a) Muktakāvya	(i) Upadeśamālā
(b) Caritakāvya	(ii) Vajjālaggaṃ
(c) Kōśakāvya	(iii) Kummapuṭṭacariyaṃ
(d) Kathākāvya	(iv) Deśīnāmamālā

Identify the correct match from the following :

- | | |
|----------------|-----------------|
| (1) (a) + (ii) | (2) (b) + (iv) |
| (3) (c) + (i) | (4) (d) + (iii) |

17. The author of Bhuvanasundarikahā is

- | | |
|------------------------|---------------------|
| (1) Śubhavarddhanagaṇi | (2) Jayakīrti |
| (3) Jayasiṃhasūri | (4) Munisundarasūri |

18. Choose the correct pair

- | |
|---|
| (1) Muktakāvya – Vajjālaggaṃ and Kathākōśa |
| (2) Caritakāvya – Gauḍavahō and Kumnapuṭṭacariyaṃ |
| (3) Khṇḍakāvya – Candalehā and Uṣāniruddha |
| (4) Mahākāvya – Setubandha and Śauricarita |

19. Qualities of this king have been described in the Gauḍavahō

- | | |
|----------------|------------------|
| (1) Jayandhara | (2) Mahendrapāla |
| (3) Caṇḍapāla | (4) Yaśōvarma |

20. This is not included in the works of Kundakunda

- | | |
|------------------|-----------------|
| (1) Pravcanasāra | (2) Gommaṭasāra |
| (3) Niyamasāra | (4) Samayasāra |

21. The motif of the story of the Samarāiccekahā is this

- | | |
|--------------------------|----------------------|
| (1) Celebration | (2) Work-management |
| (3) Revengeful intention | (4) Practice of vows |

22. The pleasant description of village life is found in this work

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (1) Setubandha | (2) Kaṇsavahō |
| (3) Dhammarasāyaṇa | (4) Gāthāsaptaśatī |

16. सही मिलान के लिए प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों को ध्यान से पढ़िये :

इकाई – I	इकाई – II
(a) मुक्तककाव्य	(i) उपदेशमाला
(b) चरितकाव्य	(ii) वज्जालगं
(c) कोशकाव्य	(iii) कुम्मापुत्तचरियं
(d) कथाकाव्य	(iv) देशीनाममाला

निम्नलिखित में से सही मिलान को पहचानिये :

- | | |
|----------------|-----------------|
| (1) (a) + (ii) | (2) (b) + (iv) |
| (3) (c) + (i) | (4) (d) + (iii) |

17. भुवनसुन्दरी कहा के लेखक हैं ?

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) शुभवर्द्धनगणि | (2) जयकीर्ति |
| (3) जयसिंहसूरि | (4) मुनिसुन्दरसूरि |

18. सही युग्म चुनिये –

- | | |
|-----------------|-------------------------------|
| (1) मुक्तककाव्य | – वज्जालगं एवं कथाकोश |
| (2) चरितकाव्य | – गडडवहो एवं कुम्मापुत्तचरियं |
| (3) खण्डकाव्य | – चन्दलेहा एवं उपानिरुद्ध |
| (4) महाकाव्य | – सेतुबन्ध एवं शौरिचरित |

19. गडडवहो में इस राजा के गुणों का वर्णन है :

- | | |
|-------------|-----------------|
| (1) जयन्धर | (2) महेन्द्रपाल |
| (3) चण्डपाल | (4) यशोवर्मा |

20. यह कुन्दकुन्द की कृतियों में सम्मिलित नहीं है –

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) प्रवचनसार | (2) गोम्मटसार |
| (3) नियमसार | (4) समयसार |

21. समराइच्यकहा की कथा का मूल भाव यह है –

- | | |
|------------------|-------------------------|
| (1) उत्सव मनाना | (2) कार्यों का प्रबन्धन |
| (3) निदान बाँधना | (4) व्रतों का पालन करना |

22. ग्रामीण जीवन का सरस वर्णन इस ग्रन्थ में प्राप्त है :

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) सेतुबन्ध | (2) कंसवहो |
| (3) धम्मरसायण | (4) गाथासप्तशती |

23. Read these statements in terms of the period of composition

- (a) Ānandasundarī Saṭṭaka – 18th century C.E.
 (b) Samarāiccakahā – 8th century C.E.
 (c) Saṃvegarāṅgaśālā – 10th century C.E.
 (d) Kuvalayamālā Kahā – 10th century C.E.

Choose the correct answer code :

- (1) (a) + (b) + (c) (2) (b) + (c) + (d)
 (3) (c) + (d) (4) (a) + (b)

24. Maximum number of Prakrit languages are used in this work

- (1) Veṅṭīsaṃhāra (2) Mṛcchakaṭikam
 (3) Mudrārākṣasa (4) Karpūramañjarī

25. The story of Uṣāniruddha text is based on

- (1) Ācārāṅgasūtra (2) Upaniṣad
 (3) Śrīmadbhāgavata (4) Bhagavadgītā

26. 'Mahāmeghavāhana' was the attribution with the name of this emperor

- (1) Emperor Aśoka (2) Emperor Khāavela
 (3) Emperor Chandragupta (4) Emperor Vikramāditya

27. The subject matter of Khāavela Inscription has been inscribed in these number of lines

- (1) Five (2) Nine
 (3) Six (4) Seventeen

28. This war has changed the life of Emperor Aśoka

- (1) Kalinga (2) Kāmbhoja
 (3) Āndhra (4) Nābhaka

29. The language of the inscription of Girnāra version of Emperor Aśoka is this

- (1) Sanskrit (2) Gujarati
 (3) Tamil (4) Prakrit

23. रचनाकाल के संदर्भ में ये कथन पढ़िए –

- (a) आनन्दसुन्दरी सट्टक – 18वीं शताब्दी ई.
 (b) समराइच्चकहा – 8वीं शताब्दी ई.
 (c) संवेगरंगशाला – 10वीं शताब्दी ई.
 (d) कुवलयमाला कहा – 10वीं शताब्दी ई.

सही उत्तर कूट को चुनिए :

- (1) (a) + (b) + (c) (2) (b) + (c) + (d)
 (3) (c) + (d) (4) (a) + (b)

24. सबसे अधिक प्राकृत भाषाएँ इस ग्रन्थ में प्रयुक्त हैं :

- (1) वेणीसंहार (2) मृच्छकटिकम्
 (3) मुद्राराक्षस (4) कर्पूरमंजरी

25. उषानिरुद्ध ग्रन्थ की कथा का आधार यह है :

- (1) आचारांगसूत्र (2) उपनिषद्
 (3) श्रीमद्भागवत (4) भगवद्गीता

26. 'महामेघवाहन' इस सम्राट् की उपाधि है

- (1) सम्राट् अशोक (2) सम्राट् खारवेल
 (3) सम्राट् चन्द्रगुप्त (4) सम्राट् विक्रमादित्य

27. खारवेल शिलालेख की वर्ण्य-सामग्री इतनी पंक्तियों में लिखित है –

- (1) पाँच (2) नौ
 (3) छह (4) सत्रह

28. इस युद्ध ने सम्राट् अशोक की जीवन-धारा ही बदल दी –

- (1) कलिंग (2) कम्भोज
 (3) आन्ध्र (4) नाभक

29. सम्राट् अशोक के गिरनार शिलालेखों की भाषा यह है

- (1) संस्कृत (2) गुजराती
 (3) तमिल (4) प्राकृत

30. Read the Unit – I and II for the correct match :

Unit – I

- (a) Anuvataṛaṃ savalokahitāya
 (b) Ta Mayā bahu Kalāṇaṃ kataṃ
 (c) Dhammacaraṇe pi na bhavati asīlāsa
 (d) Dvādasavāsābhisitena mayā idaṃ āṇapitaṃ

Unit – II

- (i) Third Girnar inscription
 (ii) Fourth Girnar inscription
 (iii) Fifth Girnar inscription
 (iv) Sixth Girnar inscription

Identify the correct answer :

- (1) (a) + (iii) (2) (b) + (ii)
 (3) (c) + (iv) (4) (d) + (i)

31. Period of composing the Gāhā-lakkhaṇa is

- (1) 10th A.D. (2) 12th A.D.
 (3) 14th A.D. (4) 13th A.D.

32. This group belongs to the texts of prosody

- (1) Kavidaṛpaṇa, Prakrit-Paiṅgalaṃ, Kāvyaṛprakāśa
 (2) Gāhālakkaṇa, Kavidaṛpaṇa, Prakrit-paiṅgalaṃ
 (3) Kāvyaṛprakāśa, Kavidaṛpaṇa, Prakrit-paiṅgalaṃ
 (4) Prakrit-paiṅgalaṃ, Kāvyaṛprakāśa, Gāhālakkaṇa

33. This text is not considered to be the prosody

- (1) Kavidaṛpaṇa (2) Rāyaṇāvali
 (3) Gāhālakkaṇa (4) Prakrit-Paiṅgalaṃ

34. The subject-matter of Vṛttajātismuccāya is

- (1) Kośa (2) Chhanda
 (3) Vyākaraṇa (4) Alaṅkāra

35. The examples of Sanskrit, Prakrit and Apabhraṃśa metres are found in this text

- (1) Vṛttajātismuccāya (2) Gāhālakkaṇa
 (3) Kavidaṛpaṇa (4) Svayambhūchanda

36. The period of composing the text chandaḥ-kośa is

- (1) 13th century C.E. (2) 14th century C.E.
 (3) 9th century C.E. (4) 10th century C.E.

30. प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों को पढ़िए और सही मिलान कीजिए –

इकाई – I	इकाई – II
(a) अनुवत्तरं सवलोक हिताय	(i) तीसरा गिरनार शिलालेख
(b) त मया बहु कलाणं कृतं	(ii) चौथा गिरनार शिलालेख
(c) धंमचरणे पि न भवतिअसीलस	(iii) पांचवां गिरनार शिलालेख
(d) द्वादसवासाभिंसितेन मया इदं आजपितं	(iv) छठा गिरनार शिलालेख

सही उत्तर की पहचान कीजिए :

- (1) (a) + (iii)
- (2) (b) + (ii)
- (3) (c) + (iv)
- (4) (d) + (i)

31. गाहालक्षण का रचना काल है

- (1) 10वीं शती ई.
- (2) 12वीं शती ई.
- (3) 14वीं शती ई.
- (4) 13वीं शती ई.

32. यह वर्ग छन्द-ग्रन्थों से सम्बन्धित है –

- (1) कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्, काव्यप्रकाश
- (2) गाहालक्षण, कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्
- (3) काव्यप्रकाश, कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्
- (4) प्राकृतपैंगलम्, काव्यप्रकाश, गाहालक्षण

33. छन्द-ग्रन्थों में यह ग्रन्थ सम्मिलित नहीं है –

- (1) कविदर्पण
- (2) रथणावलि
- (3) गाहालक्षण
- (4) प्राकृतपैंगलम्

34. वृत्तजातिसमुच्चय का मुख्य विषय है –

- (1) कोश
- (2) छन्द
- (3) व्याकरण
- (4) अलंकार

35. संस्कृत, प्राकृत एवं अपभ्रंश छन्दों के उदाहरण इस ग्रन्थ में पाये जाते हैं –

- (1) वृत्तजातिसमुच्चय
- (2) गाहालक्षण
- (3) कविदर्पण
- (4) स्वयंभूछन्द

36. छन्दःकोश ग्रन्थ का रचना काल है

- (1) 13वीं शती ई.
- (2) 14वीं शती ई.
- (3) 9वीं शती ई.
- (4) 10वीं शती ई.

37. In Śaurasenī the suffix-ktvā is changed into
- (1) tta (2) uno
(3) ūṇa (4) dūṇa
38. The conjunct 'stha' in Māgadhī is changed into
- (1) ttha (2) tha
(3) sta (4) stha
39. The word 'tailam' is changed into Prakrit as
- (1) tellam (2) telam
(3) tailam (4) tilam
40. Intervocalic kha, gha, tha, dha and bha in Prakrit are changed into
- (1) jha (2) chha
(3) ha (4) pha
41. This is an example of Aspiration
- (1) atasī > alasi (2) kandukam > genduum
(3) pāribhadraḥ > phālihaddo (4) kanakam > kaṇagam
42. Read the Unit – I and II for correct match of terms and number of types :
- | Unit – I | Unit – II |
|----------------|--------------|
| (a) Dravya | (i) Fourteen |
| (b) Astikāya | (ii) Two |
| (c) Ākāśa | (iii) Six |
| (d) Jīvasamāsa | (iv) Five |
- Identify the correct answer code :
- (1) (a) + (i) (2) (b) + (iv)
(3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)
43. "Egam jinejja _____, esa se paramo jao" here 'egam' denotes this _____
- (1) Sahassam Sahassānam (2) Saṅgāmam
(3) Appānam (4) Gharam

37. शौरसेनी प्राकृत में 'क्त्वा' प्रत्यय का यह परिवर्तन होता है –
- (1) ता (2) उनो
(3) ऊण (4) दूण
38. संयुक्त-व्यंजन 'स्थ' का मागधी में यह परिवर्तन होता है –
- (1) त्थ (2) थ
(3) स्त (4) स्थ
39. प्राकृत में 'तैलम्' शब्द का परिवर्तन यह होता है –
- (1) तेल्लं (2) तेलं
(3) तैलं (4) तिलं
40. स्वर-मध्यवर्ती ख, घ, थ, ध एवं भ का प्राकृत में यह परिवर्तन होता है –
- (1) झ (2) छ
(3) ह (4) फ
41. यह महाप्राणीकरण का उदाहरण है –
- (1) अतसी > अलसी (2) कन्दुकम् > गेंदुअं
(3) पारिभद्रः > फालिहदो (4) कनकम् > कणगं
42. तालिका-I तथा II के पदों तथा भेद संख्या को, सही मिलान करने हेतु, पढ़ें –
- | तालिका - I | तालिका - II |
|--------------|-------------|
| (a) द्रव्य | (i) चौदह |
| (b) अस्तिकाय | (ii) दो |
| (c) आकाश | (iii) छः |
| (d) जीवसमास | (iv) पाँच |
- सही उत्तर कूट पहिचानिये :
- (1) (a) + (i)
(2) (b) + (iv)
(3) (c) + (iii)
(4) (d) + (ii)
43. "एगं जिणेज्ज , एस से परमो जओ" यहाँ 'एगं' से इसका संकेत है –
- (1) सहस्सं सहस्साणं (2) संगामं
(3) अप्पाणं (4) घरं

44. 'Kasāyā aggiṇo vuttā' this statement in Uttarādhyayana is told by _____.
- (1) Goyamo (2) Kesī
(3) Nami (4) Devindo
45. "Cārittaṃ khalu dhammo" this statement is quoted from this text
- (1) Samayasāra (2) Niyamasāra
(3) Pravacansāra (4) Tiloyasāra
46. This group belongs to Sanmatitarka prakaraṇa
- (1) Satthapariṇṇā – Logvijaya – Vimokkha
(2) Jñānādhikāra – Jñeyādhikāra – Cāritrādhikāra
(3) Sandhivicchedo – Vyavahāro – Samhāro
(4) Nāyakaṇḍayaṃ – Jīvakaṇḍayaṃ – Aṅgantakaṇḍayaṃ
47. The number of acts of Mṛcchakatika Prakaraṇa is
- (1) 5 (2) 7
(3) 9 (4) 10
48. 'Bho ! sake gehe kukkuro vi dāvacaṇḍo bhodi' in this statement 'dāvacaṇḍo' reflects
- (1) Lion (2) Dog
(3) Deer (4) Cow
49. According to Udyotanasūri Akkhevaṇī – Vikkhevaṇī – Saṃvegajaṇaṇī – ṇivvecyajaṇaṇī, these four types belong to this kathā _____
- (1) Kāmakahā (2) Atthakahā
(3) Dhammakahā (4) Parihāsakahā
50. Read the Unit – I and II for correct match :
- | Unit – I | Unit – II |
|----------------------|---------------|
| (a) Alaṅkāradappaṇa | (i) Vyākaraṇa |
| (b) Kavidaṛpaṇa | (ii) Chanda |
| (c) Prākṛit-Sarvasva | (iii) Kośa |
| (d) Ardhamāgadhīkośa | (iv) Alaṅkāra |
- Identify the correct answer :
- (1) (a) + (iv) (2) (b) + (iii)
(3) (c) + (ii) (4) (d) + (i)

44. 'कसाया अग्गिणो वुत्ता' उत्तराध्ययन सूत्र का यह कथन इन्होंने कहा –
 (1) गोयमो (2) केशी
 (3) णमि (4) देविंदो
45. "चारित्तं खलु धम्मो" यह कथन इस ग्रन्थ से उद्धृत है –
 (1) समयसार (2) नियमसार
 (3) प्रवचनसार (4) तिलोयसार
46. यह सन्मतितर्कप्रकरण से सम्बन्धित वर्ग है –
 (1) सत्थपरिण्णा – लोगविजय – विमोक्ख (2) ज्ञानाधिकार – ज्ञेयाधिकार – चारित्राधिकार
 (3) सन्धिविच्छेदो – व्यवहारो – संहारो (4) णयकंडयं – जीवकंडयं – अणेगंतकंडयं
47. मृच्छकटिक प्रकरण के अंकों की संख्या है –
 (1) 5 (2) 7
 (3) 9 (4) 10
48. 'भो ! सके गेहे कुक्कुरो वि दावचण्डो भोदि' इस कथन में 'दावचण्डो' का अभिप्राय है –
 (1) शेर (2) कुत्ता
 (3) हिरण (4) गाय
49. उद्योतनसूरि के अनुसार अक्खेवणी - विकखेवणी - संवेगजणणी - णिव्वेयजणणी ये चार प्रकार इस कथा के हैं –
 (1) कामकहा (2) अत्थकहा
 (3) धम्मकहा (4) परिहासकहा
50. प्रथम एवं द्वितीय तालिकाएँ पढ़िए और सही मिलान कीजिए –
- | इकाई-I | इकाई-II |
|---------------------|-------------|
| (a) अलंकारदप्पण | (i) व्याकरण |
| (b) कविदर्पण | (ii) छन्द |
| (c) प्राकृत सर्वस्व | (iii) कोश |
| (d) अर्धमागधीकोश | (iv) अलंकार |
- सही उत्तर की पहिचान कीजिए :
- (1) (a) + (iv)
 (2) (b) + (iii)
 (3) (c) + (ii)
 (4) (d) + (i)

Space For Rough Work

prepp
Your Personal Exam Guide